भारत सरकार

कारपोरेट कार्य मंत्रालय

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या – 667

(जिसका उत्तर मंगलवार, 15 जुलाई, 2014 को दिया गया)

<u>निवेशक जागरूकता कार्यक्रम</u>

667. श्री राम नाथ ठाकुर :

क्या **कारपोरेट कार्य मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या वित्तीय जानकारी नहीं होने के कारण छोटे निवेशकों को चूना लगाया जा रहा है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या विभिन्न हितधारकों को साथ लेकर निवेशक जागरूकता कार्यक्रम शुरू किए जाने की तत्काल आवश्यकता है;

(घ) गत तीन वर्षों के दौरान निवेशक शिक्षा और सुरक्षा निधि (आईईपीएफ) के अंतर्गत एकत्रित, खर्च और उपयोग में न लाई गई निधियों का ब्यौरा क्या है;

(ड.) निधियों के उपयोग न किए जाने के क्या कारण हैं; और

(च) यदि हां, तो सरकार द्वारा छोटे निवेशकों के हितों की रक्षा करने के लिए की जा रही कार्रवाई का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

कारपोरेट कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्रीमती निर्मला सीतारमण)

(क) से (च) : वित्तीय बाजारों में निवेश करने से जुड़े जोखिमों की जानकारी निवेशकों को धोखा खाने से बचाती है। पिछले कुछ वर्षों से कारपोरेट कार्य मंत्रालय द्वारा निवेशक जागरूकता कार्यक्रमों (आईएपी) का आयोजन किया जा रहा है जिनका उद्देश्य जनसाधारण को निवेश करने से पहले सोच-समझकर निर्णय लेने में मदद करना है। देश के सभी भागों में तीन व्यवसायिक संस्थानों नामत: भारतीय चार्टर्ड अकाउंटेंट संस्थान, भारतीय कंपनी सचिव संस्थान और भारतीय लागत लेखाकार संस्थान के सहयोग से निवेशक जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) द्वारा भी विषय के जानकार व्यक्तियों, निवेशक संघों, एक्सचेंजों, विभिन्न व्यापार निकायों का उपयोग करके इसी प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। ये कार्यक्रम विभिन्न नगरों, शहरों (छोटे शहरों सहित) में चलाए जाते हैं।

निवेशक शिक्षा एवं सुरक्षा कोष में एकत्रित राशि भारत की संचित निधि (सीएफआई) में जमा की जाती है। पिछले तीन वर्षों के दौरान सीएफआई में अंतरित की गई राशि के ब्यौरे इस प्रकार हैं :-

वित्त वर्ष	राशि (करोड़ रुपए में)
2011-12	20.90
2012-13	56.19
2013-14	189.96

मंत्रालय को हर वर्ष निवेशक जागरूकता कार्यक्रमों के लिए बजटीय आबंटन मिलता है और विभिन्न कार्यकलापों पर होने वाला खर्च इस आबंटन से किया जाता है। पिछले तीन वर्षों के दौरान इस प्रकार के व्यय के ब्यौरे नीचे दिए गए हैं:-

(करोड़ रुपए में)

वित्त वर्ष	बजट अनुमान	संशोधित अनुमान	व्यय
2011-12	5.00	5.00	4.98
2012-13	5.00	5.00	4.22
2013-14	5.00	4.50	4.38

*****